सीधी (मध्य प्रदेश) के चार बैल इस संदूषित एवं विषाक्त पानी पीने के कारण मर गए?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ति सिंह): (क) जी, नहीं। कोयला कंपनी द्वारा यह सूचित किया गया है कि खान क्षेत्र के जल की नदी में निकासी किये जाने से पूर्व सामान्य सुरक्षात्मक उपाय किए जाते हैं।

(ख) आमतौर पर समीप के ग्रामीणों द्वारा कुंओं तथा ट्यूबवैलों के जल सामान्यतः प्रयोग में लाया जाता है। किन्तु कोयला कंपनी को इस बात की जानकारी नहीं है कि "बिजूर" नाले का जल भी उनके द्वारा पीने के प्रयोग से लाया जाता है।

(ग) 4 बैलों की मृत्यु होने संबंधी ऐसी किसी दुर्घटना की कोयला कंपनी को सूचना नहीं मिली है।

नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिंगरौली, मध्य प्रदेश द्वारा प्रदूषित पेय जल के कारण मौतें

1488. **श्री जगन्नाथ सिंह:** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि नार्दर्न कोलफील्ड्स लि०, सिंगरौली, जो कोल इंडिया कंपनी की सहायक कंपनी है, के अंतर्गत झिगुरदह परियोजना क्षेत्र मे स्थित एक कूप से प्रदूषित पानी पीने के कारण अगस्त-सितम्बर, 1996 में अनुसूचित जनजाति के नौ लोगों की मौत हुई थी;

(ख) यदि हां, तो प्रभावित व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों को मुआवजा एवं अन्य राहत प्रदान करने के लिए कोल इंडिया लि० द्वारा क्या कार्रवाई की गई है; और

(ग) भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ति सिंह): (क) से (ग) जी, नहीं। झिगुरदह परियोजना में ऐसी कोई मौत नहीं हुई थी। किंतु दिनांक 7 अक्तूबर, 1996 को इस आशय की एक रिपोर्ट प्राप्त हुई थी कि परियोजना से लगभग 5 कि० मी० दूर अवस्थित एक गांव में कुछ व्यक्ति गैस्ट्रो इन्टराइटिस (आंत्र शोथ) से पीड़ित हैं। गांववासियों ने भी यह सूचित किया कि विगत दो महीनों में 9 व्यक्तियों की मौत गैस्ट्रो इन्टराइटिस से हुई है। उक्त रिपोर्ट के प्राप्त होने पर कंपनी द्वारा उस स्थल पर चिकित्सक दल भेजा गया। उक्त गांव के कुओं को क्लोरिनीकृत कर दिया गया तथा गांव में तथा उसके चारों ओर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर दिया गया है। नार्दर्न कोलफील्ड्स लि० के अस्पतालों में पीड़ित व्यक्तियों को चिकित्सा सुविधाएं भी प्रदान की गई हैं। कंपनी द्वारा निरोधी उपायों को किए जाने के बाद मृत्यु से संबंधित किसी मामले की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

कोयले की मांग और खपत

1489. **श्री अजीत जोगी:** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:—

(क) इस समय देश में कोयले की राज्य-वार अनुमानित मांग और खपत कितनी-कितनी है;

(ख) इस समय देश में कोयले का अनुमानतः कितना उत्पादन होता है;

(ग) गत एक वर्ष के दौरान, स्थान-वार कितनी नई कोयला खानों का पता लगाया गया;

(घ) इन खानों में उत्पादन कब से शुरू हो जाएगा; और

(ङ) इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

कोयला मंत्रालय की राज्य मंत्री (श्रीमती कान्ति सिंह): (क) कोयले की आवश्यकताओं को समग्र देश के लिए औद्योगिकी/क्षेत्र-वार मूल्यांकित किया जाता है। इन्हें राज्य-वार मूल्यांकित नहीं किया जाता है। कोयला कंपनियों द्वारा कोयले की आपूर्ति संबद्ध प्रायोजन अधिकारियों द्वारा जारी किए गए प्रायोजनों के अनुसार उपभोक्ताओं द्वारा कार्यक्रमों के आधार पर तथा उनकी हकदारी की सीमा तक की जा रही है। विद्युत तथा सीमेंट उद्योगों को कोयले की आपूर्ति स्थाई संयोजन समिति द्वारा स्थापित किए गए अल्पावधि संयोजनों के आधार पर की जाती है।

कोल इंडिया लि० तथा सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि० द्वारा राज्य-वार तथा क्षेत्र-वार किए जा रहे कोयले का प्रेषण संबंधी ब्यौरे विवरण में दर्शाए गए हैं। (नीचे